मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 175 ■ मंगलवार 30 सितंबर 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सोनू निगम को मिला 2024 का लता मंगेशकर सम्मान

खुले नाले में गिरने से छात्र की मौत

■ मनपा अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

कल्याण. डोंबिवली पश्चिम के एच वार्ड क्षेत्र के देवीचापाड़ा इलाके में जगदंबा माता क्षेत्र से भारत भोईर नाला बहता है। इस नाले पर कोई चैंबर कवर नहीं था। भारी बारिश के कारण नाला दो दिशाओं में बह रहा था। रविवार रात 10:30 बजे जगदंबा क्षेत्र का एक 13 वर्षीय स्कूली छात्र नाले के खुले ढक्कन के छेद से नाले में गिर गया और बह गया।

स्थानीय निवासियों और कल्याण डोंबिवली मनपा अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने अथक प्रयास करके रात में लापता लड़के को नाले से बाहर निकाला। उसे तुरंत मनपा के शास्त्री नगर अस्पताल ले जाया गया। वहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक लड़के का नाम आयुष कदम (13) है। वह अपने परिवार के साथ देवीचापाड़ा जगदंबा माता क्षेत्र के शांताराम निवास में रहता था। वह स्वामी विवेकानंद स्कूल की अरुणोदय शाखा में सातवीं कक्षा में पढ़ता था। उसकी मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। रविवार को दिन भर भारी बारिश होती रही। रात 10 बजे इलाके के बच्चे जगदंबा माता क्षेत्र के पास नाले के पास खेल रहे थे। खेलते समय आयुष का ध्यान नाले के खुले ढक्कन पर नहीं गया। खेल रहे बच्चों के सामने ही वह नाले के खुले छेद से सीधे नाले में गिर गया। बच्चे चीखने लगे। एक नागरिक नाले में कूद गया और आयुष को बचाने की कोशिश की। नाले में बहाव तेज होने के कारण वह हाथ नहीं आ सका।

एक घंटे बाद पानी से ऊपर आया शव

इसकी सूचना तुरंत नगर निगम के अग्निशमन विभाग, गरीबाचापाड़ा संभाग को दी गई। कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचे और नाले के मुहाने के पास जाल बिछाया। लापता बच्चे की तलाश शुरू की गई। विष्णुनगर थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रामचंद्र चोपड़े मौके पर पहुँचे। एक घंटे बाद आयुष का शव पानी पर तैरने लगा। दमकलकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। स्थानीय लोग उसे तुरंत इलाज के लिए नगर निगम के शास्त्री नगर अस्पताल ले गए। वहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस बात को लेकर स्थानीय लोगों और महोत्सव आयोजकों के बीच देर रात तक बहस होती रही। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चोपड़े, सामाजिक कार्यकर्ता बाला म्हात्रे, मनोज वैद्य, विजय भोईर और अन्य लोगों ने पहल करके स्थानीय लोगों को शांत कराया।

अंबरनाथ में कंटेनर ने 3 युवकों को कुचला

पालेगांव के पास भयानक हादसा

2 युवकों की मौके पर ही मौत, एक युवक की हालत गंभीर

■ चालक गिरफ्तार
■ अंबरनाथ के पालेगांव की घटना
■ ट्रिपल सीट बाइक पर सवार थे युवक
■ शिवाजी नगर पुलिस में मामला दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पालेगांव हाईवे पर आज सुबह एक भयानक हादसा हुआ। इस हादसे में एक कंटेनर ट्रक ने ट्रिपल सीट बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। दो युवकों सत्यम बिंद और श्याम राजभर की मौत हो गई जबकि वैभव जाधव घायल हो गया। सोमवार सुबह तीनों युवक ट्रिपल सीट बाइक पर सवार थे। इसी दौरान पालेगांव डी-मार्ट के सामने हाईवे पर तेज रफ्तार से जा रहे एक कंटेनर ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक घायल हो गया। दोनों मृतक युवक वसार गांव के रहने वाले हैं जबकि घायल युवक गायकवाड़ पाड़ा का रहने वाला है। अब अंबरनाथ की शिवाजी नगर पुलिस में मामला दर्ज कर ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

कटाई-कर्जत राज्य राजमार्ग का अधिकांश हिस्सा कंक्रीट से पक्का हो चुका है। इस वजह से जिन इलाकों में सड़क अच्छी है, वहाँ यातायात की गति भी बढ़ गई है। हालाँकि, इस सड़क का सही इस्तेमाल करने के बजाय, चालक अक्सर लापरवाही से वाहन चलाते हैं। इससे हादसों का डर बना रहता है। अक्सर देखा गया है कि इस सड़क पर सड़क पार करने वाले स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इस बीच, लापरवाह चालकों के कारण इस सड़क पर दुर्घटनाएँ भी होने लगी हैं।

रविवार सुबह करीब 6 बजे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने एक दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया है कि वसार निवासी सत्यम बिंद (16) और श्याम राजभर (16) की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ दोपहिया वाहन पर सवार वैभव जाधव (16) गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि वैभव की हालत स्थिर है।

दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया। हालाँकि, शिवाजीनगर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँची, यातायात सुचारू किया और दुर्घटना का मामला दर्ज किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल ने बताया कि कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है.

कर्जत-कटाई राज्य मार्ग पर कुछ महीने पहले ही सीमेंट का कंक्रीट बिछाया गया था और इस सड़क पर सुबह-शाम भारी यातायात जाम रहता है। सुबह के समय सड़क पर भारी वाहनों की बेतहाशा गति दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। स्थानीय नागरिकों ने पहले भी इस सड़क पर खतरनाक गति के कारण सुरक्षा की माँग की थी। इस दुर्घटना के बाद इलाके में आक्रोश है और दो निर्दोष युवकों की असामयिक मृत्यु ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

जीएसटी रिफार्म की जानकारी जनता तक पहुँचाने की

भाजपा नेताओं ने संभाली जिम्मेदारी

उल्हासनगर. देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा जीएसटी घटाकर देशवासियों को दिवाली का उपहार दिया गया है। ऐसे में जीएसटी रिफार्म की जानकारी अब जनता तक पहुँचाने की जिम्मेदारी भाजपा नेताओं ने संभाली है।

बता दें कि उसी उपलक्ष्य में 27 सितंबर 2025 को उल्हासनगर 4 मैन बाजार में जीएसटी का फायदा जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर दुकान पर मोदी जी के स्टिकर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधर्या, आमदार सुलभा ताई गायकवाड, उल्हासनगर 4 के मेन बाजार अध्यक्ष हरीश कृष्णानी द्वारा लगाए गए और दुकानदारों द्वारा जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या, आमदार सुलभाताई गायकवाड़ का स्वागत किया। साथ में मंडल अध्यक्ष जय शर्मा, जिला उपअध्यक्ष संजय रामरख्यानी, जिला सचिव हितेश हरेश कृष्णानी उपस्थित रहे।

उल्हासनगर मनपा में 15 सफाईकर्मियों के बच्चे बने लिपिक

■ 36 बच्चों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

उल्हासनगर. कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए मनपा प्रशासन एक के बाद एक महत्वपूर्ण निर्णय ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के बच्चों को विरासत में सफाई कर्मचारी के रूप में ही नौकरी मिलती थी। हालाँकि, सरकार के 2023 के निर्णय के अनुसार, शिक्षित बच्चों को तृतीय श्रेणी के पद पर नियुक्ति का अवसर देने का प्रावधान किया गया था। इसी के तहत, मनपा ने 15 बच्चों को सीधे लिपिक के पद पर नियुक्त करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। शेष 36 बच्चों को केवल सफाई कर्मचारी के पद पर ही अवसर मिला है। इसके अलावा, 1996 से पहले दैनिक वेतन भोगी सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत 27 कर्मचारियों को न्यायालय के आदेशानुसार नगर निगम में स्थायी रूप से शामिल किया गया है। इस निर्णय से उन परिवारों को बड़ी राहत मिली है जो लंबे समय से रोजगार स्थिरता के लिए संघर्ष कर रहे थे।

मनपा में कार्यरत रहते हुए दिवंगत हुए कर्मचारियों के परिवारों को भी अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियाँ दी गई हैं। इसमें एक कनिष्ठ अभियंता, 22 लिपिक, एक तारकर्मी, 11 चपरासी और छह सफाई कर्मचारी जैसे उम्मीदवारों को नगर निगम सेवा में अवसर मिलेगा। इस निर्णय से कई परिवारों को आर्थिक और सामाजिक संबल मिला है।

65 कर्मचारियों की पदोन्नति को मंज़ूरी

उल्हासनगर मनपा में लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया में तेज़ी लाई गई है। 65 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। इस निर्णय से कर्मचारियों में संतुष्टि का माहौल है और प्रशासन की कार्यकुशलता में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बारवी बांध की ऊँचाई बढ़ने से विस्थापित हुए परिवारों को पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत रोज़गार की गारंटी दी गई है। इसी के तहत, ठाणे जिले के तीन परियोजना प्रभावित लोगों को समान जल वितरण के सिद्धांत पर नगर निगम में स्थायी रूप से नियुक्त किया गया है।

डिजिटल उपस्थिति प्रणाली....

■ डिजिटल युग के अनुरूप बदलाव करते हुए, नगर निगम ने ई-एचआरएमएस के अंतर्गत चेहरे की पहचान आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू की है। अब से, सभी कर्मचारियों की उपस्थिति इसी तरह दर्ज की जाएगी, जिससे पारदर्शिता और अनुशासन में काफ़ी वृद्धि होगी।

भ्रष्टाचार निवारण

■ भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की कार्रवाई में फंसे एक अधिकारी को विभागाध्यक्ष पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। हालाँकि, कार्य द्वारा उस प्रभार को समाप्त कर दिया गया और उन्हें उनके मूल पद पर वापस कर दिया गया। इसके बजाय, पदोन्नत योग्य और कुशल कर्मचारियों को विभागाध्यक्ष के रूप में नई ज़िम्मेदारियाँ दी जाएँगी।

'नमो युवा रन' में हजारों स्पर्धकों ने लिया भाग

■ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण उपस्थित रहे

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ भाजपा द्वारा 28 सितंबर रविवार को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'नमो मैराथन' का आयोजन किया गया. इस स्पर्धा के आखिर में शहर पूर्व छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के हाथों विजेताओं को सम्मान चिह्न, नकद पुरस्कार व सम्मान प्रमाण पत्र देकर गौरव किया गया.

उस समय भाजपा के राज्य परिषद सदस्य गुलाबराव करंजुले पाटिल व अनेक मान्यवर उपस्थित थे. इस मैराथन दौड़ में शहर के विविध स्कूल के विद्यार्थी एवं नागरिकों के साथ 4 हजार स्पर्धकों ने भाग लिया. जोरदार बारिश होने के बावजूद स्पर्धकों में भारी उत्साह देखा गया. इसके बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के शुभ हाथों नए पुनर्विकसित किए गए भाजपा के अंबरनाथ शहर कार्यालय का उद्घाटन हुआ. उस समय गुलाब करंजुले, पूर्व शहराध्यक्ष विश्वजीत करंजुले, जिलाध्यक्ष नंदू परब, जिला महासचिव अभिजीत करंजुले, लक्ष्मण दत्त पंत, पदाधिकारी उपस्थित थे.

उत्तर भारतीय आघाड़ी के अध्यक्ष लक्ष्मी चव्हाण के जनसंपर्क कार्यालय, उपाध्यक्ष अरबाज खान, युवा मोर्चा अध्यक्ष आतिश पाटिल के कार्यालय का उद्घाटन भी हुआ. समाज के विविध मान्यवरों एवं जैन जलाल शेख ने भाजपा में प्रवेश किया. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक रूप से सुना गया. इन सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए भाजपा के पदाधिकारी, महिला पदाधिकारी, युवक, युवतियों, कार्यकर्ताओं ने परिश्रम किया.

अंबरनाथ में नकली सोना देकर 10 लाख की धोखाधड़ी

अंबरनाथ. उल्हासनगर के एक युवक फार्मासिस्ट को अंबरनाथ में नकली सोने का टुकड़ा बताकर असली सोना है, ऐसा जता कर 10 लाख रुपयों की धोखाधड़ी की गई है. शहाड उल्हासनगर निवासी सूरज शंकरलाल शामनानी (24) ने अंबरनाथ पुलिस में राजू नामक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है. शंकर के अनुसार उन्हें राजू ने 9 सितंबर से 27 सितंबर के बीच उनके साथ धोखाधड़ी की है. आरोपी ने शंकर को पहले न्यू आबदा मेडिकल स्टोर उल्हासनगर-3 में फिर चिखलोली डी मार्ट बदलापुर पश्चिम में और आखिर में केबी रोड स्थित डी मार्ट शहर पश्चिम में बुलाकर शकर का विश्वास संपादन करके उसे नकली सोने का बड़ा टुकड़ा बताकर ये असली सोना का टुकड़ा है जताकर कीमत ज्यादा है बताकर शंकर से 10 लाख रुपए ऐंठ लिए. शंकर ने भी लालच में आकर नकली सोने को बिना जांच कराए ही ये सोचकर के उसको ज्यादा फायदा होगा 10 लाख रुपए अज्ञात व्यक्ति जिसने अपना नाम उन्हें राजू बताया था उसे दे दिया. सोने का टुकड़ा लेने के बाद जब शंकर ने जब उसकी जांच की तो पता चला कि ये तो नकली है. उसको जब अहसास हुआ कि वह तो लूट चुका है. उसने अंबरनाथ पुलिस में 27 सितंबर को शिकायत दर्ज कराया है. शंकर फार्मासिस्ट है और शहाड में कालिमस इमारत, उल्हासनगर-1 का निवासी है.

महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़

■ उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 1 स्थित कमला नेहरूनगर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इलाके की एक महिला को कुत्तों को खाना खिलाने पर पीटा गया और उसके साथ छेड़छाड़ की गई। इस मामले में अवधेश सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता महिला कमला नेहरूनगर इलाके के धोबीघाट में रात में आवारा कुत्तों को दूध और टोस्ट देती है। घटना वाले दिन अवधेश सिंह कुत्तों को पीट रहा था। विरोध करने पर गुस्साए अवधेश सिंह ने महिला की पिटाई की और उसके साथ छेड़छाड़ भी की। उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। उल्हासनगर पुलिस ने इस मामले में अवधेश सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी है।

डाकिया नदारद, लोगों को चिट्ठियाँ ढूँढ़नी पड़ती हैं!

■ डाक विभाग की कुव्यवस्था से नागरिक परेशान

बदलापुर. भारतीय डाकघर भले ही आधुनिकीकरण का ढिंढोरा पीट रहा हो, लेकिन बदलापुर शहर के डाकघर के कुप्रबंधन और असभ्य कर्मचारियों के कारण नागरिकों को अपनी चिट्ठियाँ ढूँढ़कर कार्यालय तक पहुँचना पड़ रहा है।

डाकिये नागरिकों के पत्र पहुँचाने में विफल हो रहे हैं। यह बात सामने आई है कि नागरिकों को मूल पते पर गए बिना ही झूठी टिप्पणी करके कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसलिए, नागरिकों में रोष का माहौल है क्योंकि स्पीड पोस्ट के लिए पैसे खर्च करने के बाद भी उन्हें अपने खर्चे पर कार्यालय पहुँचना पड़ रहा है। यह भी सामने आया है कि जवाब मांगने जाने वाले बुजुर्ग नागरिकों से पैसे वसूले जा रहे हैं।

बदलापुर शहर का कुलगाँव डाकघर पूर्व में महात्मा गांधी चौक के पास एक घनी आबादी वाली इमारत में स्थित है। पिछले कुछ दिनों में शहर में नए डाकिये नियुक्त किए गए हैं। ये नए कर्मचारी नागरिकों के पत्रों के वितरण में देरी करते हैं। चूँकि कर्मचारी कई जगहों पर नहीं पहुँच रहे हैं, इसलिए नागरिकों को डाकघर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसके अलावा, अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने के बावजूद, नागरिकों को व्यस्त रहने के दौरान कर्मचारियों के अशिष्ट व्यवहार का दर्द सहना पड़ता है।

बदलापुर पश्चिम में रहने वाली 65 वर्षीय मीनल सबनीस का पत्र लेकर कर्मचारी उनके दरवाजे पर आए। हालाँकि, परिवार के साथ पत्र की जाँच करने से पहले ही कर्मचारी चले गए। उनके पास पहुँचने पर, वे सबसे पहले मंजरली कार्यालय गए। वहाँ, डाक अधिकारी मंदार चौधरी ने उन्हें कुलगाँव डाकघर जाने के लिए कहा, जो दो किलोमीटर पूर्व में है।

जब उन्होंने वहाँ के कर्मचारियों से संपर्क करने के लिए कहा, तो उन्होंने रूखेपन से जवाब दिया कि वे हमसे संबंधित नहीं हैं। किसी तरह, कुलगाँव डाकघर पहुँचे सबनीस को वहाँ के कर्मचारियों ने बताया कि अब उन्हें पत्र नहीं मिलेगा। हालाँकि, कुछ देर बाद उन्होंने 100 रुपये लिए और बंधा हुआ पत्र खोलकर पत्र दे दिया। दिलचस्प बात यह है कि पत्र दिए बिना कार्यालय आए कर्मचारियों ने कार्यालय में यह नोट लिख दिया कि सही व्यक्ति घर पर नहीं है।

भारतीय डाकघर की वेबसाइट पर दिखाया गया है कि मांजर्ली निवासी शारदा नारेकर का आधार कार्ड 20 सितंबर को कुलगाँव कार्यालय में पहुँच गया था। हालाँकि, जब चार दिन बाद भी वह नहीं पहुँचा, तो उन्हें कार्यालय जाना पड़ा। वहाँ भी एक चौंकाने वाली बात सामने आई कि आधार कार्ड के पत्र पर एक नोट लिखा था कि घर पर कोई नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया है कि स्पीडपोस्ट सेवा के लिए 50 रुपये प्रति पत्र खर्च करने के बाद भी अगर हमें कार्यालय जाकर पत्र लाना पड़े, तो इस सेवा का क्या फायदा?

फिलहाल नए कर्मचारी आए हैं और वे नौकरी पर नए हैं। चूँकि उन्हें इलाके को समझने में समय लगता है, इसलिए पत्र देरी से पहुँच रहे हैं। हालाँकि, जल्द ही पत्र समय पर पहुँच जाएँगे।
-दीपाली कांबले, पोस्टमास्टर, कुलगाँव डाकघर।

नागरिकों को दौड़ना पड़ता है...

नागरिक आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट या अन्य महत्वपूर्ण पत्रों के आने का इंतज़ार कर रहे हैं। वेबसाइट पर यह दिखाया जाता है कि पत्र कहाँ पहुँचे हैं। हालाँकि, चूँकि वे घर पर नहीं पहुँचते, इसलिए नागरिकों को कार्यालय की ओर दौड़ना पड़ता है। उन्हें इसके लिए समय और पैसा भी खर्च करना पड़ता है। कुलगाँव डाकघर में बहुत भीड़ होती है और नागरिकों के खड़े होने की जगह नहीं होती। इससे वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं सदमे में हैं।

सरिता के अधूरे कार्य पूरे करना ही सच्ची श्रंद्धाजलि होगी : स्पर्श खानचंदानी

उल्हासनगर. विश्व नदी दिवस पर सरिता खानचंदानी की स्मृति में 28 सितंबर को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था। विश्व नदी दिवस हर साल सितंबर के अंतिम रविवार को मनाया जाता है. इस साल विश्व नदी दिवस, सरिता खानचंदानी जी को समर्पित किया गया।

उल्हास और वालधुनी नदी संवर्धन के लिये अपना जीवन देने वाले सरिता खानचंदानी जी का देहांत 28 अगस्त को हुआ था, उनकी स्मृति में 28 सितंबर को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ, उनके जीवनकाल पर बनाई जा रही डॉक्यूमेंट्री का भी चित्रीकरण हुआ, साथ ही उल्हास नदी बचाओ कृति समिती द्वारा बनाई 'उमाई' डॉक्यूमेंट्री का भी लोकार्पण हुआ.

उक्त सभा का आयोजन 28 सितंबर को शाम 6 बजे सिंधु युथ सर्कल उल्हासनगर 3 में आयोजित हुआ, उनकी स्मृतिमें उल्हासनगर के तमाम एनजीओ की तरफसे 'सरित प्रवाह' पुरस्कार से जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण पे कार्य कर रहे पर्यावरण प्रेमीयों को प्रमाणपत्र देकर प्रेरित किया गया, और संकल्प लिया गया कि उनकी लड़ाई आगे भी हम सब मिलकर लड़ेंगे। सभी उपस्थितों ने नम आंखों से महान आत्मा की स्मृतिमें श्रद्धासुमन अर्पित किये।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

लापरवाही का नतीजा है 40 लोगों की मौत

किसी भी राजनीतिक रैली के दौरान यह कोशिश की जाती है कि सभा को सफल बताने के लिए वहां ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचें, लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि भारी संख्या में लोगों के जमावड़े के बाद अगर भगदड़ जैसे हालात पैदा हुए तो उसे संभालने के लिए क्या व्यवस्था होगी। तमिलनाडु के करूर में शनिवार को एक रैली के दौरान भगदड़ मचने की वजह से कम से कम चालीस लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की घटना एक बार फिर आयोजन और व्यवस्था को लेकर बरती गई व्यापक लापरवाही का नतीजा लगती है।

तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय के लिए रैली का आयोजन करने वालों को यह अंदाजा जरूर होना चाहिए था कि कितनी संख्या में लोग वहां पहुंचेंगे। फिर भाषण देने के लिए विजय के पहुंचने में देरी की वजह से वहां इंतजार कर रहे 25 हजार से ज्यादा लोगों के बीच अफरा-तफरी मचने की आशंका बनी हुई थी। मगर इसे भांप कर पहले ही हादसे की स्थिति पैदा होने से रोकने के लिए आयोजकों की ओर से कुछ भी नहीं किया गया।

सवाल है कि जब राजनीतिक रैलियों या धार्मिक आयोजनों के लिए आम लोगों के बड़े जमावड़े में बार-बार भगदड़ मचने की वजह से त्रासद हादसे लगातार सामने आ रहे हों, वैसे समय में भीड़ प्रबंधन को लेकर इस तरह की लापरवाही को कैसे देखा जाएगा। किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि हर स्तर पर ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि फिर वैसी घटना न हो।

मगर विडंबना यह है कि न तो प्रशासन और न ही आयोजन में शामिल समूहों या लोगों को एहतियात बरतने की जरूरत लगती है। इसी का नतीजा है कि हर कुछ दिनों बाद किसी राजनीतिक रैली या धार्मिक आयोजन के दौरान व्यापक अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से नाहक ही लोगों की जान चली जाती है और बड़े पैमाने पर लोग घायल होते हैं। हादसों के बाद जांच की घोषणाएं तो की जाती हैं, लेकिन उनका नतीजा क्या निकलता है, किसे दोषी ठहराया जाता है और क्या कार्रवाई की जाती है, इस बारे में जनता को बताना जरूरी नहीं समझा जाता। यह बेवजह नहीं है कि अक्सर होने वाले हादसे अब अफसोसनाक सिलसिला बन चुके हैं।

पारिवारिक दलों में विरासत की तकरार, कब लगेगी इस पर लगाम?

बिहार में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद) इन दिनों पारिवारिक संकट से गुजर रहा है। पार्टी के संस्थापक लालू प्रसाद यादव स्वास्थ्य कारणों से पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं। भारतीय परंपरा में पिता का उत्तराधिकारी बड़ा बेटा होता है, लेकिन राजद में लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप की जगह छोटे बेटे तेजस्वी यादव स्वीकार्य हो चुके हैं। इसके बावजूद इन दिनों पार्टी में खींचतान बढ़ी है। तेजप्रताप यादव राजद से निकाले जा चुके हैं। इसके जवाब में उन्होंने जनशक्ति जनता दल के नाम से अपनी अलग पार्टी बना ली है।

उनकी बहन रोहिणी आचार्य कभी तेजप्रताप का साथ देती नजर आ रही हैं तो कभी परोक्ष रूप से तेजस्वी पर हमला करती दिख रही हैं। राजद में सत्ता की लड़ाई की वजह हरियाणा मूल के संजय यादव को माना जा रहा है, जो इन दिनों तेजस्वी के नजदीकी और पार्टी के राज्यसभा सदस्य हैं। वैसे बीते लोकसभा चुनाव में पारिवारिक हिस्सेदारों को खुश करने की कोशिश पार्टी में खूब दिखी। रोहिणी आचार्य को सारण लोकसभा सीट और मीसा भारती को पाटलिपुत्र से टिकट मिला था। तेजस्वी और तेजप्रताप विधानसभा के सदस्य पहले से ही हैं। लालू यादव की सबसे बड़ी बेटी मीसा चुनाव जीतने में कामयाब रहीं तो रोहिणी को हार का सामना करना पड़ा। मीसा बेशक इन दिनों चुप हैं, लेकिन उनकी नाराजगी भी सतह पर आती रही है।

परिवार केंद्रित पार्टियों में ऐसा संकट सामने आता रहता है।

पारिवारिक पार्टियां दिखावे के लिए भले ही संसदीय राजनीतिक परंपराओं और मर्यादाओं की रस्में पूरी करती रहती हैं, लेकिन हकीकत में वे प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों की तरह चलाई जाती हैं। राजद की भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। वैसे राजद अकेला ऐसा दल नहीं है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, कर्नाटक में जनता दल-एस, तमिलनाडु में डीएमके, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल भी एक तरह से पारिवारिक पार्टियां ही हैं। जहां लोकतांत्रिक परंपरा और चुनाव कानूनों को निभाने की रस्में भर पूरी की जाती हैं, लेकिन सत्ता का असल केंद्र एक परिवार ही होता है। जब उन पारिवारिक पार्टियों का संस्थापक कमजोर पड़ने लगता है, तब उनमें संपत्ति, सत्ता और उत्तराधिकार की जंग छिड़ जाती है। राजद में जो हो रहा है, वह इसी का एक रूप है।

राजद की तरह पारिवारिक विवाद तो तेलंगाना की सत्ता पर दस साल तक काबिज रही भारत राष्ट्र समिति में भी शुरू हो चुका है। पार्टी के संस्थापक के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। उनकी अपने ही भाई और चंद्रशेखर राव के उत्तराधिकारी माने जा रहे केटी रामराव से तालमेल नहीं बैठ रहा।

तेलंगाना से सटे आंध्र प्रदेश की सत्ता पर दस साल काबिज रह चुके वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ उनकी बहन वाईएस शर्मिला ने मोर्चा खोल रखा है। वाईएसआर कांग्रेस में पारिवारिक विवाद की वजह भी पारिवारिक संपत्ति और सत्ता में हिस्सेदारी है। पड़ोसी तमिलनाडु के प्रथम राजनीतिक परिवार में भी सत्ता और संपत्ति को लेकर विवाद अब भी जारी है। के. करुणानिधि ने छोटे बेटे एमके स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी बनाकर स्थापित कर दिया। हालांकि उनके दूसरे बेटे एमके अलागिरी को स्टालिन की सरपरस्ती स्वीकार्य नहीं थी। इसलिए परिवार में सत्ता के उत्तराधिकार की लड़ाई जारी रही। करुणानिधि के भतीजे मुरासोली मारन के बेटे कलानिधि मारन और दयानिधि मारन के बीच संपत्ति का विवाद हाल में राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बना था। हरियाणा का चौटाला परिवार तो राजनीतिक उत्तराधिकार की लड़ाई में खंड-खंड हो चुका है। कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में भी संपत्ति और उत्तराधिकार की जंग ऐसे ही छिड़ी थी।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमारे भीतर
एकत्व और एकता
का भाव जन्मजात है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

युवाओं के बीच रोजगार का बड़ा संकट

लद्दाख के लेह में जिस तरह के हालात पैदा हुए, उसके बाद केंद्र सरकार शांति कायम करने के लिए सभी स्तरों पर कार्रवाई कर रही है। मगर इसके साथ कुछ सवाल भी उठे हैं कि आखिर वहां के लोगों के सामने ऐसी स्थिति क्यों आई कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर लेह में आंदोलन पर उतरना पड़ा। उसी दौरान किन्हीं कारणों से वहां जमा लोगों ने अपना धीरज खो दिया और व्यापक अराजकता का माहौल बन गया, तो उसे संभालने के लिए सरकार की ओर से कार्रवाई को एक हद तक जरूरी माना जा सकता है।

मगर क्या इस पर भी विचार करने की जरूरत नहीं है कि लेह में आंदोलनकारियों की मांगों की पृष्ठभूमि क्या है और उसे पूरा किया जाना क्यों तथा किस हद तक जरूरी है? गौरतलब है कि पिछले हफ्ते लेह में आंदोलन के दौरान लोगों के अराजक हो जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की जान चली गई और हिंसा में कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। फिर वहां के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार करके लद्दाख से बाहर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई को लद्दाख में फिर अराजकता या किसी साजिश की आशंका के मद्देनजर एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। मगर सवाल है

कि अगर इस आंदोलन की पृष्ठभूमि पिछले कई वर्षों से बन रही थी, तो उसे समय रहते संबोधित करना और किसी ऐसे हल का खाका तैयार करना सरकार को जरूरी क्यों नहीं लगा, जिसमें सभी पक्षों की सहमति हो। लेह में आंदोलन कर रहे लोगों की मुख्य मांगें वही थी, जिसके लिए कई वर्ष पहले उनसे वादा किया गया था।

केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा देने की मांग के साथ शुरू हुए आंदोलन के मुद्दे नए नहीं थे। मगर लगातार इस मसले पर टालमटोल और वहां के संबंधित पक्षों से ठोस बातचीत को लेकर सरकार की उदासीनता ने एक ऐसी पृष्ठभूमि बनाई कि उसमें स्थानीय युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी शामिल हो गए।

जाहिर है, एक ऐसी स्थिति बन रही थी, जिसमें आंदोलनकारियों के बीच मौजूद कुछ अवांछित तत्त्वों के अराजक हो जाने की आशंका थी। मगर न तो संवाद को प्राथमिकता देकर हल खोजने की कोशिश की गई और न ही स्थानीय आबादी को विश्वास में लिया गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे आंदोलन के समांतर व्यापक हिंसा हुई, मगर वहां के खुफिया तंत्र को शायद इसकी भनक नहीं लगी। जबकि चीन की सीमा के पास स्थित होने की वजह से लद्दाख को बेहद संवेदनशील इलाके के तौर पर देखा जाता है और वहां की हर संभावित परिस्थिति का आकलन करके जरूरी कदम उठाना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

स्थानीय तकाजों के मुताबिक उठे मुद्दों की बहुस्तरीय अनदेखी और उसके प्रति उदासीनता का नतीजा यह हुआ कि पर्यटन को आकर्षित करने और शांतिपूर्ण जीवन तथा संस्कृति की पहचान वाले उस इलाके में हुए आंदोलन के बीच अराजकता और हिंसा ने भी अपने पांव फैला लिए। अब लेह के प्रदर्शनकारियों को लेकर कई तरह की आशंकाएं और संदेह जताए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि अब तक इस संबंध में सरकार ने जांच करने की जरूरत शायद नहीं समझी थी। अब भी अगर सरकार स्थानीय आबादी की मुख्य मांगों के संदर्भ में ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए, तो किसी भी साजिश को अंजाम देना संभव नहीं हो सकता!

समुद्र के बीच कैसे सुसु-पॉटी करते हैं लोग?

समुद्र की लहरों के बीच जहाज पर सफर का रोमांच तो हर कोई महसूस करता है, लेकिन वहां टॉयलेट का सीन सोचकर ही कलेजा कांप जाता

जरा हट के

है. फ्लाइट्स में टॉयलेट वेस्ट के बारे में तो आपने सुना होगा, लेकिन लंबे समुद्री सफर पर पॉटी-सुसु का क्या होता है? हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो ने ये राज खोल दिया. एक मलेशियन वर्कर ने ऑफशोर रिग (समुद्री तेल प्लेटफॉर्म) के टॉयलेट का वीडियो शेयर किया, जिसमें फर्श में छेद दिखा. पॉटी गिरते ही नीचे समुद्र में मछलियां आ गईं. ये देखकर नेटिजन्स के होश उड़ गए – कोई बोला "रोमांचक लेकिन डरावना", तो कोई "पर्यावरण का कत्ल!"

वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया, जहां से ये वायरल हो गया. वीडियो में दिखाया गया कि कैसे बड़े से जहाज में एक एक किनारे पर छोटा सा कमरा बना है. उसके

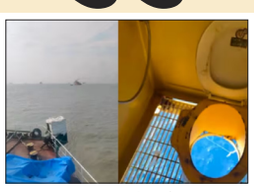

अंदर सिर्फ एक छेद है. इसी पर बैठकर आपको टॉयलेट करना है और पॉटी करना है. जैसे ही आपका वेस्ट सीधे समुद्र में गिरेगा,नीचे जमा हुई मछलियां उसे झट से खा लेंगी.

अब सवाल ये कि बड़े जहाजों या क्रूज शिप्स पर टॉयलेट कैसे काम करता है? ज्यादातर क्रूज शिप्स पर वेक्यूम फ्लश सिस्टम होता है. फ्लश करने पर वेस्ट पाइप्स से नीचे डेक के ट्रीटमेंट प्लांट में चला जाता है. यहां माइक्रोब्स से डाइजेस्ट होता है, फिर फिल्टर्ड और एरेटेड पानी बनाकर समुद्र में डंप कर दिया जाता है. लेकिन नियम सख्त हैं – 3 किलोमीटर से ज्यादा दूर तट से. एक वीडियो में दिखा कि क्रूज शिप से हजारों गैलन सीवेज सीधे समुद्र में गिराया जाता है, जो लीगल है लेकिन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है. नेवी शिप्स पर तो हालात और सख्त होते हैं. वहां वेस्ट ज्यादा देर होल्ड नहीं कर सकते, इसलिए सीधे समुद्र में डिस्चार्ज कर दिया जाता है. लेकिन पहले छोटा ट्रीटमेंट होता है – पंप से ब्लैकवॉटर टैंक में और फिर डंप किया जाता है. स्मॉल बोट्स या सेल बोट्स पर होल्डिंग टैंक यूज करते हैं, लेकिन कई बार डायरेक्ट डिस्चार्ज कर दिया जाता है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 70% बोट वेस्ट मिनिमल ट्रीटमेंट के बाद वाटरवेज में जाता है.

खाना-खजाना

आलू के टेस्टी सैंडविच

ब्रेकफास्ट के लिए आलू टोस्ट सैंडविच काफी अच्छे ऑप्शन हैं। इन्हें तैयार करना भी काफी आसान होता है और इनसे पेट भी भर जाता है। साथ ही, ये स्वाद में भी लाजवाब होते हैं, जिसके कारण ये बच्चों को भी खूब पसंद आते हैं। आइए जानें आलू टोस्ट सैंडविच बनाने की रेसिपी।

सामग्री :

- 3 उबले हुए आलू
- 6 ब्रेड स्लाइस
- 1 प्याज (बारीक कटा हुआ)
- 1-2 हरी मिर्च
- 2 बड़े चम्मच हरी धनिया पत्तियां
- 1/2 चम्मच अदरक पेस्ट
- 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 चम्मच गरम मसाला
- 1/2 चम्मच चाट मसाला
- स्वादानुसार नमक

- मक्खन या तेल

विधि :

सबेस पहले उबले हुए आलू को अच्छे से मैश कर लें।

फिर इसमें प्याज, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट, धनिया पत्तियां और सारे मसाले (लाल मिर्च, गरम मसाला, चाट मसाला, नमक) डालकर अच्छी तरह मिला लें।

अब एक ब्रेड स्लाइस पर मक्खन लगाएं और उसके ऊपर आलू की तैयार स्टफिंग को फैला दें। चाहें तो ऊपर से टमाटर या खीरे के स्लाइस भी रख सकते हैं।

अब दूसरी ब्रेड स्लाइस लगाकर ढक दें। फिर सैंडविच मेकर या तवे पर थोड़ा मक्खन लगाकर सैंडविच को दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक सेक लें। गर्मागर्म आलू टोस्ट सैंडविच को टोमैटो सॉस या हरी चटनी के साथ परोसें।

याददाश्त और फोकस बूस्ट करने के लिए करें योगासन

कम्प्यूटर से भी तेज चलेगा दिमाग...

आज के समय में मोबाइल, सोशल मीडिया और भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते हमारी कॉन्सन्ट्रेशन और मेमोरी पावर पर सीधा असर पड़ता है। मानसिक थकावट, तनाव और ध्यान भटकना अब लोगों में आम समस्याएं बन चुकी हैं। ऐसे में योग एक प्राचीन और प्रमाणित ट्रीटमेंट की तरह है जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मस्तिष्क को भी एक्टिव और शांत करता है। कुछ विशेष योगासन ऐसे होते हैं जो मेमोरी बूस्ट करने, ध्यान केंद्रित करने और मानसिक स्पष्टता लाने में सहायक हैं। तो आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में, जिन्हें अपनाकर आप अपनी मेमोरी पावर को तेज बना सकते हैं..

■ शीर्षासन

इसे करने के लिए एक दीवार के सहारे बैठें। सिर को जमीन पर रखें और हाथों से उसको सहारा दें। धीरे-धीरे दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और शरीर को सीधा रखें। शुरुआत में 10–20 सेकंड तक करें।

लाभ- दिमाग में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ता है। एकाग्रता और सोचने की क्षमता में सुधार आता है। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकावट से राहत मिलती है।

■ ताड़ासन

ताड़ासन करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं, दोनों पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें।हाथों को सिर के ऊपर जोड़ें और पंजों के बल खड़े हों। शरीर को ऊपर की ओर खींचें और गहरी सांस लें।

लाभ- ताड़ासन करने से ब्रेन में ऑक्सीजन की बेहतर आपूर्ति होती है। इसके साथ ही शरीर में संतुलन आता है और ये फोकस को बढ़ता है।

■ कपालभाति

कपालभाति करने के लिए सुखासन में बैठें, पीठ सीधी रखें। नाक से जोर से सांस बाहर छोड़ें और पेट को अंदर करें।यह प्रक्रिया 5–10 मिनट करें।

लाभ- इस आसन को करने से ब्रेन से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। मेमोरी पावर और फोकस बेहतर होता है।

जिससे दिमाग तरोताजा और एनर्जेटिक बना रहता है।

■ इनफिनिटी वॉक

इसे इनफिनिटी वॉक भी कहा जाता है। इसमें काल्पनिक 8 के आकार का रास्ता बनाने के लिए चलना शामिल है। हर कदम पर अपनी सांसों और चलने की गति पर ध्यान दें। सुबह नंगे पैर हरी घास पर धीरे-धीरे चलें।

लाभ- इसे करने से दिमाग को नेचुरल शांति मिलती है। स्ट्रेस और एंग्जाइटी में कमी आती है। साथ ही मस्तिष्क की क्रिएटीविटी भी बढ़ती है।

■ वज्रासन में ध्यान

इसे करने के लिए वज्रासन में बैठें, आंखें बंद करें और सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। रोजाना 5–10 मिनट तक करें।

लाभ- मानसिक अशांति में राहत मिलती है। कॉन्सन्ट्रेशन बढ़ता है और मेमोरी पावर में सुधार होता है।

आज का राशिफल

मेष : व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी।

वृषभ : यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

मिथुन : व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

तुला : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु : आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर : यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में अपेक्षानुरूप कार्य न होने से अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

मीन : कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बिना शक्कर लेना चाहते हैं मिठाइयों का मजा, तो ट्राई करें ये शुगर-फ्री डिशेज

चाहे कोई भी व्रत-त्योहार हो या कोई खास मौका ही क्यों न हो, बिना मीठे के वह अवसर अधूरा लगता है। इसलिए किसी भी खास अवसर पर कुछ न कुछ मीठा जरूर बनाया जाता है। नवरात्र और दशहरे के साथ ही फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो चुकी है और इसी के साथ मिठाइयां खाने का सिलसिला भी। हालांकि, डायबिटीज, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के बीच चीनी कम से कम खाना ही बेहतर होता है। लेकिन अब इसके कारण आपको मिठाइयों से दूरी बनाने की जरूरत नहीं है। दरअसल, चीनी की जगह कुछ नेचुरल स्वीटनर्स का इस्तेमाल करके भी आप टेस्टी मिठाइयां बना सकते हैं। आइए जानें कुछ ऐसी ही शुगर-फ्री डिशेज, जो टेस्टी भी हैं और हेल्दी भी।

त्योहारों के लिए शुगर-फ्री डिशेज

खजूर-नट्स की बर्फी- बिना चीनी की बनी यह बर्फी खजूर की मिठास और काजू-बादाम जैसे ड्रायफ्रूट्स की पौष्टिकता से भरपूर होती है।

ओट्स-बनाना पैनकेक- मैश किया हुआ केला, ओट्स, अंडा और थोड़ा-सा शहद मिलाकर बनाया गया यह पैनकेक आपकी मीठा खाने की क्रेविंग को शांत करता है।

चिया सीड पुडिंग- चिया बीज को दूध या बादाम दूध में भिगोकर उसमें शहद, दालचीनी और फलों के टुकड़े डालें, और टेस्टी और फाइबर से भरपूर डेजर्ट तैयार है।

सेब-दालचीनी हलवा- कद्दूकस किए हुए सेब को घी में भूनकर उसमें थोड़ी सी दालचीनी पाउडर और नट्स डालें,बिना चीनी के भी जबरदस्त स्वाद मिलेगा।

खजूर से मीठी साबूदाना खीर- साबूदाना और दूध से बने खीर में चीनी की जगह खजूर या अंजीर का पेस्ट डालें। यह ट्रेडिशनल स्वाद को हेल्दी ट्विस्ट देता है।

शकरकंद का हलवा- शकरकंद को उबालकर घी और इलायची के साथ भूनें। इसका नेचुरल स्वाद किसी मिठाई से कम नहीं होता।

अंजीर- नट्स रोल्स- सूखे अंजीर और नट्स मिलाकर बनाए गए रोल्स एनर्जी से भरपूर और पूरी तरह शुगर फ्री होते हैं।

नारियल के लड्डू- खजूर के पेस्ट और नारियल से बने लड्डू फाइबर, मिनरल्स और मिठास का बेहतरीन कॉम्बीनेशन होते हैं।

बनाना-कोको स्मूदी बाउल- केला, कोको पाउडर, बादाम दूध और नट्स, इन सभी को मिलाकर बनाएं एक चॉकलेटी हेल्दी बनाना-कोको स्मूदी बाउल।

रागी चॉकलेट केक- रागी आटा, केला और कोको पाउडर से बना यह केक बच्चों के लिए खासतौर पर बढ़िया ऑप्शन है।

इन डिजर्ट्स के जरिए आप बिना चीनी के भी त्योहार के मौके पर मीठे का भरपूर आनंद ले सकते हैं और आपकी सेहत को नुकसान भी नहीं होगा।

दिल को रखना है स्वस्थ आज ही अपनाएं अच्छी आदतें

हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे (World Heart Day) मनाया जाता है. इसका उद्देश्य लोगों को दिल की बीमारियों के प्रति जागरूक करना है. दिल की बीमारी आज न सिर्फ बुजुर्गों, बल्कि युवाओं को भी तेजी से प्रभावित कर रही है. विश्व हृदय दिवस के मौके पर आपको 5 आसान टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने दिल को लंबी उम्र तक हेल्दी रख सकते हैं.

नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल की सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वनीता अरोरा ने बताया कि एक्टिव लाइफस्टाइल दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी है. रोज कम से कम 40 मिनट में 4 किलोमीटर ब्रिस्क वॉक करें. दौड़ना, साइक्लिंग, स्विमिंग या योग करने से भी दिल मजबूत होता है. फिजिकल एक्टिविटी ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और मोटापे को कंट्रोल करती हैं और दिल की बीमारियों से बचाती हैं. छोटी-छोटी चीजें जैसे लिफ्ट की जगह सीढ़ियां लेना या हर घंटे चलना भी दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. जितना आप फिजिकल एक्टिव रहेंगे, आपका हार्ट उतना ही मजबूत बनेगा.

कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि जो खाना हम खाते हैं, वही हमारी सेहत बनाता है. दिल को स्वस्थ रखने के लिए कम फैट, कम नमक और कम शुगर वाली डाइट अपनाएं. फल, सब्जियां, साबुत अनाज, सूखे मेवे, ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर फिश का सेवन करें. फास्ट फूड, प्रोसेस्ड फूड और ट्रांस फैट से भरपूर चीजों से जितना हो सके दूरी बनाएं. एक हेल्दी डाइट न सिर्फ दिल को, बल्कि पूरे शरीर को फिट रखने में मदद करती है. अगर आप हेल्दी खाना खाएंगे, तो सेहत ठीक बनी रहेगी.

डॉक्टर की मानें तो तंबाकू और शराब का सेवन दिल के सबसे बड़े दुश्मनों में से हैं. धूम्रपान से ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है. शराब का अत्यधिक सेवन भी ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बिगाड़ देता है. अगर आप दिल की बीमारियों से बचना चाहते हैं, तो धूम्रपान छोड़ना और शराब सीमित या पूरी तरह बंद करना एक बहुत बड़ा कदम होगा. इससे शरीर को तुरंत फायदा मिलना शुरू हो जाता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी भीषण आग, पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत

फतेहपुर. यूपी के फतेहपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां सोमवार सुबह शॉर्ट सर्किट से एक मकान पलभर में जलकर खाक हो गया। इस दौरान घर में सो रहे पति-पत्नी भी जिंदा जल गए। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। ये घटना लललौली क्षेत्र का है। सोमवार सुबह शॉर्ट सर्किट से लगी आग से एक मकान खाक हो गया और घर में सो रहे गृहस्वामी और उसकी पत्नी की जल कर मौके पर मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में वेनू गांव के रहने वाले 45 साल के रामबाबू पासवान और 42 वर्षीय उनकी पत्नी तारा देवी घर के भीतर रोज की तरह सो रहे थे। जबकि उनके तीन बच्चे घर के बाहर सो रहे थे। आज सुबह अचानक शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई जिसने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।

सड़क किनारे मिली स्नेचर की नाखून उखड़ी लाश

यूपी की राजधानी लखनऊ में कारोबारी की गाड़ी में लात मारने वाले स्नेचर का शव सोमवार सुबह सीतापुर के सिधौली क्षेत्र में पड़ा मिला। सिधौली थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह नीलगांव मार्ग पर लालपुर तिराहे से अटरिया मार्ग पर खून से लथपथ युवक का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। मामले में मिली जानकारी के अनुसार युवक के शव के पास एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी पड़ी मिली। मोटरसाइकिल नंबर के आधार पर शव की पहचान श्रीप्रकाश पुत्र फकीरे थाना बीकेटी के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवक की हत्या कहीं और की गई थी और फिर उसे यहां लाकर फेंका गया, लाते समय उसके नाखून घिस गए।

जेल में बंद रेप आरोपी की मौत

सीतापुर. सीतापुर में जिला कारागार में बंद एक विचाराधीन कैदी की रविवार रात 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान उमेश पुत्र विजय निवासी भेलावा थाना तालगांव के रूप में हुई है। उमेश को तालगांव पुलिस ने 27 सितंबर की शाम जेल में दाखिल कराया था। उस पर गांव की एक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण का मामला दर्ज हुआ था। दोनों के बीच काफी समय से प्रेम संबंध होने की बात कही जा रही थी।

भारत को यह जीत हर हाल में चाहिए थी

- ऑपरेशन सिंदूर के बाद हारने का ऑप्शन ही नहीं था
- तिलक और कुलदीप रहे हीरो

'तुम पूछते हो हमारा मकसद क्या है। उसका जवाब सिर्फ एक शब्द है—जीत। हर कीमत पर जीत। दहशत के बीच भी जीत। चाहे रास्ता कितना भी कठिन क्यों न हो, हमें चाहिए जीत।'

यही शब्द थे विंस्टन चर्चिल के, जब उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौर में बतौर ब्रिटिश प्रधानमंत्री पहली बार संसद को संबोधित किया था।

रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में भारत की स्थिति भी कुछ वैसी ही थी। पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने माहौल में हार का सवाल ही नहीं उठता था।

फाइनल में पाकिस्तान से हार भारतीयों के लिए असहनीय होती। जीतना ही एकमात्र विकल्प था। और यही जीत दिलाई 22 साल के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने, जिन्होंने पूरे दबाव के बीच खुद को नायक साबित किया।

- 20 रन पर गिर गए थे 3 विकेट

भारतीय टीम 147 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। फाइनल से पहले हर मैच में धूम मचाने वाले अभिषेक शर्मा 5 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान सूर्यकुमार यादव 1 रन ही बना सके। शुभमन गिल भी 12 के आंकड़े से आगे नहीं बढ़े। इसके बाद तिलक वर्मा ने पहले संजू सैमसन के साथ 57 रन की और फिर शिवम दुबे के साथ 60 रन की पार्टनरशिप कर भारत की जीत की सुनिश्चित कर दी। बहरहाल, जीत का तिलक टूर्नामेंट में पहला मैच खेल रहे रिंकू सिंह के बल्ले से लगा। उन्होंने आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर चौका लगाया और भारत को वह जीत दिला दी जो टीम को हर हाल में चाहिए ही थी।

- पहले 12 ओवर में लगा मैच हाथ से निकल गया

भारत ने इस मैच में टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान ने पावरप्ले में भारत को कोई विकेट नहीं दिया। 12 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर 1 विकेट पर 107 रन हो गया था। टी-20 क्रिकेट में माना जाता है कि 12 ओवर के बाद जितना स्कोर होता है टीम 20 ओवर में उसे डबल कर देती है। पाकिस्तान 200 रन के पार जाता हुआ दिख रहा था। यहां से भारतीय स्पिन तिकड़ी का खेल शुरू हुआ। कुलदीप यादव ने 13वें ओवर की पांचवीं गेंद पर सईम अयूब का विकेट लिया। यहां से विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया और हर ओवर में एक के बाद एक पाकिस्तानी बल्लेबाज सरेंडर करता चला गया। कुलदीप ने 17वें ओवर में तीन विकेट निकाल लिए। आखिरकार पाकिस्तान 19.1 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गया।

धोनी जैसा संयम और विराट जैसी फिनिशिंग

- तिलक वर्मा की इस पारी में भारत के दो पूर्व दिग्गजों महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली की छाप दिखी। जब क्रीज पर टिकने की जरूरत थी तब उन्होंने धोनी जैसा संयम दिखाया। एक बार जब पांव क्रीज पर जम गए तो विराट कोहली की तरह टीम को जीत दिलाकर ही दम लिया।
- तिलक ने अपनी पारी की शुरुआती 26 गेंदों पर सिर्फ 24 रन बनाए थे। लेकिन अगली 27 गेंदों पर उन्होंने 45 रन बना दिए। जब हालात मुश्किल थे तब उन्होंने सिंगल-डबल से स्कोर आगे बढ़ाया। उन्होंने अपने 33 रन सिंगल और डबल से बनाए। वहीं, 36 रन चौके और छक्के से भी बनाए।

- जिसने प्लेन क्रैश का इशारा किया वह खुद क्रैश हुआ

सुपर-4 मुकाबले के बाद पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भारतीय खिलाड़ियों और प्रशंसकों को चिढ़ाने के लिए प्लेन क्रैश का इशारा किया था। पाकिस्तानी पिछले चार महीने से यह अफवाह फैलाने में लगे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने भारत के 6 प्लेन गिरा दिए थे। रऊफ का इशारा इसी को लेकर था। बहरहाल फाइनल मैच में भारत के सामने खुद रऊफ क्रैश हो गए। वे इस मैच के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 3.4 ओवर में ही 50 रन खर्च कर डाले।

इससे पहले पाकिस्तान की पारी में रऊफ को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड किया था। विकेट लेने के बाद बुमराह ने प्लेन क्रैश का इशारा कर रऊफ को तगड़ा जवाब दे दिया था। बाद में भारतीय बल्लेबाजों में भी उनकी जमकर कुटाई कर रही-सही कसर भी पूरी कर दी।

- अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। अभिषेक ने टूर्नामेंट में 200.00 के स्ट्राइक रेट से 3 फिफ्टी के सहारे 314 रन बनाए। वे एक टी-20 एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। अभिषेक ने इस टूर्नामेंट की 7 पारियों में से 6 में 30 रन से ज्यादा का स्कोर किया।

पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत

यह इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत है। भारतीय टीम 2022 एशिया कप के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ कोई मुकाबला नहीं हारी है।

अब टी-20 वर्ल्ड कप में होगी भिड़ंत

भारत और पाकिस्तान की अगली भिड़ंत अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में होगी। भारत इस टूर्नामेंट का मेजबान है लेकिन पाकिस्तान के मैच भारतीय ग्राउंड्स पर नहीं खेले जाएंगे। पाकिस्तान के सारे मुकाबले श्रीलंका में होंगे और टीम इंडिया वहीं जाकर उसका मुकाबला करेगी।

अगर मंदिरों के पास गैर हिंदू प्रसाद बेचे तो उसकी पिटाई करो : साध्वी प्रज्ञा ठाकुर

भोपाल. पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर का एक बयान सुर्खियों में है। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में मंदिरों के पास प्रसाद बेचने वालों पर नजर रखने को कहा है। कहा कि अगर कोई गैर हिंदू प्रसाद बेचता दिखे तो उसकी जितनी पिटाई कर सकते हो पिटाई करो फिर शासन के हवाले करो।

भोपाल की पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने रविवार को अपने एक बयान से विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने भोपाल में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में हिंदू श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे ग्रुप बनाकर जांच करें कि मंदिरों के आसपास कौन प्रसाद बेच रहा है। अगर प्रसाद बेचने वाला हिंदू नहीं हैं तो उसके खिलाफ कार्रवाई करें।

प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि अगर आपको कोई गैर-हिंदू प्रसाद बेचता हुआ मिले तो उसकी जितनी पिटाई कर सकते हो करो और फिर शासन के हवाले कर दो। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धालुओं को गैर-हिंदू विक्रेताओं से प्रसाद खरीदने से मना कर देना चाहिए और उन्हें इसे बेचने या मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

उन्होंने घरों को हथियारबंद करने की बात दोहराते हुए कहा कि हां, मैंने कहा था कि आपको अपने घरों में हथियार रखने चाहिए। मैंने आग्रह किया कि हथियार धारदार रखे जाएं ताकि परिवार अपनी रक्षा कर सकें। उन्होंने कहा कि अगर दुश्मन आपके घर की दहलीज पार करे तो उसे दो टुकड़े कर दो।

उन्होंने आगे कहा कि जब हमारी बेटियों और बहनों को उनके घरों से उठाया जाता है, उनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करके सड़क पर बिखेर दिए जाते हैं, तो हमें बहुत पीड़ा होती है। इस पीड़ा को दूर करने के लिए जब दुश्मन आपके घर की दहलीज लांघने की कोशिश करे तो आपको उन्हें बीच से काट देना चाहिए। दुर्गा वाहिनी का काम हर घर में एक दुर्गा तैयार करना है। हर घर में हथियार रखने का आह्वान करना है। हम हर घर में नियम और कानून का पालन करते हैं, क्योंकि यह देश हमारा है। प्रज्ञा ठाकुर ने अपने भाषण में राष्ट्रवादी विषयों का हवाला दिया। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की जिन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक परंपराओं को विफल बताया।

PM मोदी के ट्वीट से बौखला गए पाकिस्तानी मंत्री

नई दिल्ली. पाकिस्तान को एशिया कप में करारी हार का स्वाद चखाने के बाद भारतीय टीम ने प्रतिद्वंद्वी देश की डबल बेइज्जती की है। पहले तो लगातार तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर जोरदार जीत हासिल की। इसके बाद जब फाइनल में ट्रॉफी पाकिस्तान के होम मिनिस्टर और एशिया क्रिकेट परिषद के चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से लेने की बात आई तो इनकार ही कर दिया। मोहसिन नकवी काफी देर तक इंतजार करते रहे, लेकिन भारतीय टीम निकलकर ही नहीं आई। अंत में जलील होकर मोहसिन नकवी वहां से निकल ही गए।

एशिया कप फाइनल के परिणाम को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट किया और लिखा कि खेल के मैदान में भी ऑपरेशन सिंदूर जारी है और रिजल्ट वही निकला है- भारत की जीत। पीएम मोदी के इस ट्वीट ने पाकिस्तान के जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। उनके इस ट्वीट पर ट्राफी

लेकर खड़े रहे मोहसिन नकवी ने जवाब दिया है और कहा कि नरेंद्र मोदी ने खेल भावना का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह खेल में जंग को घसीटना ठीक नहीं है। भारतीय पीएम ने खेल भावना को कमजोर करने की कोशिश की है। नकवी ने बौखलाहट में बढ़-चढ़कर यह दावा भी कर दिया कि भारत इतिहास में हर बार पाकिस्तान से हारा है।

वहीं एक ही तथ्य काफी कुछ कहता है कि 1971 की जंग में पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों ने भारत के आगे सरेंडर किया था और इसके साक्ष्य आज भी फोटो सहित उपलब्ध हैं। नकवी ने एक्स पर फर्जी दावे करते हुए लिखा, 'यदि जंग ही आपके लिए गर्व का विषय है तो इतिहास में कई जीत पाकिस्तान के नाम हैं। कोई क्रिकेट मैच सत्य नहीं बदल सकता। खेल में जंग को घसीटना दिखता है कि आप किस तरह से अधीर हैं।' वहीं पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ भी बौखला गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने खेल भावना के खिलाफ जाकर ट्वीट किया है। इससे महाद्वीप में शांति और स्थिरता पर असर होगा।

एक्टर विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी

तमिल सिनेमा के एक्टर विजय के नीलांकरई स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। चेन्नई पुलिस को बताया गया कि घर में बम रखा है। पुलिस ने तुरंत एक्टर के घर की सुरक्षा बढ़ाई और बम स्क्वॉड ने तलाशी ली। हालांकि, अब तक विस्फोटक मिलने की खबर नहीं है। उधर, विजय की चुनावी रैली में हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या 41 पहुंच गई है। रविवार को 65 साल की घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कुल 41 मृतकों में 18 महिलाएं, 13 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। 95 लोग घायल हैं, जिनमें से 51 ICU में भर्ती हैं।

अहिल्यानगर में बवाल, हाईवे जाम

रंगोली से सड़क पर 'आई लव मोहम्मद' लिखने से तनाव

- पथराव, पुलिस का लाठीचार्ज

अहिल्यानगर. महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में सोमवार को सड़क पर रंगोली से 'आई लव मोहम्मद' लिखने को लेकर बवाल हो गया। मुस्लिम समुदाय ने प्रदर्शन करते हुए पुणे-छत्रपति संभाजीनगर हाईवे जाम कर दिया। पुलिस जाम खुलवाने पहुंची तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को सड़क से हटाया।

फिलहाल इलाके में पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने रंगोली बनाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

अहिल्यानगर के पास कोटला गांव में सोमवार सुबह सड़क पर रंगोली से 'आई लव मोहम्मद' लिख दिया गया। इस सड़क पर हिंदूवादी संगठन 'हिंदुस्तान शिव प्रतिष्ठान' ने दुर्गा माता दौड़ का आयोजन रखा था। सुबह करीब 7 बजे जानकारी मिलते ही शहर के मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी करते हुए पुणे-छत्रपति संभाजी नगर हाईवे जाम कर दिया।

इससे गांव के दोनों ओर सैकड़ों वाहन जमा हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खत्म कराने लगी तो भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। इस पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को हटा दिया।

SP सोनाथ घर्गे ने बताया कि पुलिस ने पथराव करने वाले करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस बोले- ये साजिश

CM देवेंद्र फडणवीस ने अहिल्यानगर की घटना पर कहा- ऐसा लगता है की ये साजिश है। राज्य में तनाव पैदा कर शांति भंग करने की कोशिश हो रही है।इस मामले में जांच की जाएगी दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में 39 करोड़ बीमा के लिए पिता का मर्डर

- मां की भी हत्या की
- पत्नी की मौत के बाद भी इंश्योरेंस के 80 लाख लिए

हापुड़. हापुड़ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने दोस्त के साथ मिलकर माता-पिता की हत्या कर दी, फिर उनकी मौत को सड़क हादसा दिखाया। 2017 में उसने मां की हत्या की और उनके नाम पर एक कंपनी से 22 लाख रुपए बीमा क्लेम वसूला। एक साल पहले उसने पिता की हत्या की और बीमा कंपनियों से 39 करोड़ रुपए का क्लेम किया।

एक कंपनी ने उसे डेढ़ करोड़ रुपए भी दे दिए, लेकिन निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने पैसे देने से पहले जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों से 50 से अधिक बीमे करवाए थे। कंपनी ने गहराई से पड़ताल की तो पता चला कि पिछले 8 साल में उसकी पत्नी और माता-पिता की मौत अलग-अलग हादसों में दिखाई गई थी।

इसके बाद शक और गहरा हो गया। कंपनी ने पिता की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अस्पताल रिकॉर्ड की मिलान की। दोनों रिपोर्ट में चोटें भी आपस में मेल नहीं खा रही थीं।

आरोपी बेटा व उसका दोस्त गिरफ्तार

पुलिस ने रविवार को आरोपी विशाल सिंघल और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया। विशाल से सख्ती से पूछताछ की। इसमें उसने माता-पिता की हत्या का जुर्म कबूल कर लिया। अब पुलिस उसकी पत्नी की मौत की भी जांच कर रही है। दरअसल, पत्नी की मौत के बाद भी उसने बीमा कंपनी से 80 लाख रुपए लिए थे। दोनों आरोपी मेरठ के रहने वाले हैं।

टीम इंडिया ने बिना ट्रॉफी जीत सेलिब्रेट की

भारत ने एशिया कप का खिताब नौवीं बार अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने रविवार रात साढ़े चार घंटे चले फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी ओवर में 5 विकेट से हरा दिया। 20 दिन तक चले टूर्नामेंट में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर का असर भी दिखा।

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें 3 बार टकराईं। भारत ने तीनों मैच जीते, पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों से एक बार भी हाथ नहीं मिलाया। भारतीय खिलाड़ियों ने खिताब जीतने के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल के चैयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी मना कर दिया। नकवी पाकिस्तान के गृहमंत्री और PCB चीफ भी हैं।

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी

- कांग्रेस ने शाह को लेटर लिखा
- BJP प्रवक्ता ने टीवी पर कहा था- सीने में गोली मारी जाएगी

नई दिल्ली. कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 28 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी, जिसमें पूर्व ABVP नेता की TV पर बहस के दौरान राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का जिक्र है। लेटर में कहा गया कि BJP प्रवक्ता के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न होना राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा में मिलीभगत माना जाएगा।

वेणुगोपाल ने अमित शाह को लिखा- यह धमकी किसी छोटे पदाधिकारी की लापरवाही भरा रिएक्शन नहीं है। यह जानबूझकर फैलाए गए नफरत के जहरीले वातावरण का असर है। जो विपक्ष के नेता को असुरक्षित बनाता है। अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप बताएं आपकी पार्टी और सरकार किस विचारधारा के पक्ष में हैं। दरअसल, केरल में एक न्यूज चैनल पर लद्दाख हिंसा पर लाइव बहस चल रही थी। इस दौरान भाजपा की तरफ से बोलने आए पूर्व ABVP नेता प्रिंटू महादेव ने कहा था कि राहुल गांधी को सीने में गोली मार दी जाएगी। इसी बयान पर केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि वे राहुल गांधी को खत्म करना चाहते हैं। भारत की लोकतांत्रिक जनता ऐसा नहीं होने देगी। वे किसी के सामने झुकते नहीं, क्योंकि वह सांप्रदायिकता और फासीवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं।

वेणुगोपाल की चिट्ठी में आरोप

- क्या आप खुलेआम आपराधिक धमकी, जान से मारने की धमकियों और हिंसा की राजनीति का समर्थन करते हैं जो भारत के सार्वजनिक जीवन में जहर घोल रही है?
- एक नेता, जिसने अपने परिवार के दो सदस्यों को हत्याओं में खो दिया, उसकी सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण करके यह सरकार आग से खेल रही है।
- अगर कोई एक्शन नहीं हुआ, तो विपक्ष के नेता के खिलाफ हिंसा को वैध और सामान्य बनाने का लाइसेंस देना, केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में आपकी शपथ का गंभीर उल्लंघन होगा।

चैतन्यानंद ने 50 दिन में 15 होटल बदले

- सस्ते ठिकाने चुनता था, फोन पासवर्ड भूलने का नाटक किया;

नई दिल्ली. दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट का पूर्व हेड, 62 साल का स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी गिरफ्तारी से पहले लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पिछले 50 दिनों के दौरान उसने 15 होटल बदले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पुलिस से बचने के लिए बिना CCTV कैमरों वाले सस्ते होटलों में ठहरता था। वह उत्तर प्रदेश के धार्मिक शहरों वृंदावन, मथुरा में भी छिपा रहा। चैतन्यानंद के करीबी उसके लिए होटल चुनते थे।

शनिवार को वह आगरा के एक होटल में ठहरा था। रविवार सुबह 3:30 बजे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस अब उसके करीबियों की तलाश कर रही है। चैतन्यानंद के पास से पुलिस को आईपैड और तीन फोन बरामद हुए। इनमें से एक फोन में छात्रावास के सीसीटीवी फुटेज हैं, जिसके जरिए वह छात्राओं पर नजर रखता था। सूत्रों ने बताया कि उसने पूछताछ में कहा कि वह अपने फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड भूल गया है।

खुशखबरी! अंडमान में है नेचुरल गैस का खजाना

- कुएं की खुदाई में मिल गए सबूत

ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए बताया कि उसने अंडमान शैलो ऑफशोर ब्लॉक में अपने दूसरे अन्वेषण कुएं में प्राकृतिक गैस की उपस्थिति दर्ज की है। यह खोज कंपनी के चल रहे अन्वेषण अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। बता दें कि OIL एक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न कंपनी है।

कंपनी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस कुएं को विजयपुरम-2 नाम दिया गया है और यह ऑफशोर अंडमान ब्लॉक AN-OSHP-2018/1 में ड्रिल किया गया। यह ब्लॉक ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (OALP) के तहत आता है। प्रारंभिक उत्पादन परीक्षण के दौरान, रुक-रुक कर प्रवाह से प्राप्त सैंपल के आधार पर प्राकृतिक गैस की उपस्थिति की पुष्टि की गई।

कंपनी ने कहा कि इस खोज का महत्व भारत की ऊर्जा अन्वेषण रणनीति में अहम होगा। वर्तमान में गैस की उत्पत्ति को समझने के लिए गैस आइसोटोप अध्ययन सहित विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है।

इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होगा कि गैस का स्रोत क्या है- क्या यह किसी स्रोत-शिला से जुड़ा है, प्रवासन मार्ग से आया है, या फिर हाइड्रोकार्बन के संचयन का परिणाम है।

OIL ने विज्ञप्ति में कहा, 'प्रारंभिक आकलन के अनुसार, यह खोज इस ओर इशारा कर सकती है कि ब्लॉक में स्रोत-शिला, प्रवासन मार्ग या हाइड्रोकार्बन का संचयन मौजूद है। यह भविष्य की अन्वेषण और ड्रिलिंग रणनीति तय करने में मददगार साबित होगा।' कंपनी ने यह भी बताया कि वह ब्लॉक के अन्य ऊपरी हिस्सों में भी परीक्षण कर रही है ताकि इस खोज का और गहराई से मूल्यांकन किया जा सके। गौरतलब है कि मौजूदा अन्वेषण अभियान के दौरान अंडमान शैलो ऑफशोर ब्लॉक में हाइड्रोकार्बन की यह पहली पुष्टि है, जिससे क्षेत्र में ऊर्जा संसाधनों की संभावनाओं को नई दिशा मिल सकती है।

भूटान का सफर अब ट्रेन से भी मुमकिन

नई दिल्ली. भारत से भूटान का सफर अब ट्रेन से भी मुमकिन होगा। रेल मंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए इसकी जानकारी की है। यह पहली बार है जब भारत और भूटान को रेल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक भारत रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश भूटान को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए चार हजार करोड़ रुपये से भी अधिक खर्च करेगा। कि इसका निर्माण पूरा होने पर भूटान के दो शहर गेलेफू और समत्से क्रमशः असम और पश्चिम बंगाल से सीधे रेलगार्म से जुड़ जाएंगे।

संक्षेप...

चलती लोकल ट्रेन में पथराव; 28 वर्षीय युवती घायल

मुंबई. उपनगरीय लोकल ट्रेनों पर पथराव की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल ही में रे रोड रेलवे स्टेशन के पास एक चलती लोकल ट्रेन में हुए पथराव में 28 वर्षीय एक युवती घायल हो गई। यह एक ही हफ्ते में इस तरह की तीसरी घटना है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पीड़ित युवती परेल की निवासी है और एक निजी कंपनी में काम करती है। शुक्रवार शाम को उसने सीएसएमटी-गोरेगांव हार्बर मार्ग की धीमी लोकल पकड़ी थी। वह मोटरमैन के पास वाली महिला बोगी में यात्रा कर रही थी। जब ट्रेन रे रोड स्टेशन पहुंची, तो वह कॉटन ग्रीन पर उतरने के लिए दरवाजे के पास खड़ी हो गई। तभी अचानक एक पत्थर उसकी तरफ फेंका गया और उसके सिर पर जा लगा। कॉटन ग्रीन स्टेशन के स्टेशन मास्टर ने उसे प्राथमिक उपचार दिया, जिसके बाद उसे आगे के इलाज के लिए केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद महिला यात्री वडाला पुलिस स्टेशन गई.

एसटी बस डिपो के 13 हज़ार एकड़ भूखंड लीज़ पर दिए जाएँगे!

■ परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने की घोषणा

मुंबई. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि राज्य परिवहन बोर्ड के राज्य में लगभग 13 हज़ार एकड़ बस डिपो को 98 साल की लीज़ पर देने के लिए अगले महीने निविदाएँ जारी की जाएँगी।

सरनाईक ने मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 'राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद' (NAREDCO) के महाराष्ट्र चैप्टर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मेगा प्रॉपर्टी प्रदर्शनी 'होमथॉन प्रॉपर्टी एक्सपो 2025' का उद्घाटन किया। वह इस दौरान बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेता और रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस, NAREDCO इंडिया के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी भी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम के पास मुंबई के कुर्ला, बोरीवली और राज्य के अन्य शहरों में 13 हज़ार एकड़ से ज़्यादा ज़मीन है। सरकार ने इन ज़मीनों और बस डिपो को विकसित करने का फ़ैसला किया है। बस डिपो अब 30 साल की बजाय 98 साल की लंबी अवधि के पट्टे पर दिए जाएँगे। सरनाईक ने यह भी बताया कि आगर पोर्ट में इन बस डिपो का विकास उसी तरह किया जाएगा जैसे गुजरात में बस डिपो विकसित किए गए हैं। उन्होंने राज्य के डेवलपर्स को इस परियोजना में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में जल्द ही पॉड टैक्सियाँ शुरू की जाएँगी और मीरा-भायंदर व ठाणे तक इनका विस्तार किया जाएगा। राहुल बोस ने अपील की कि ज़रूरतमंदों को कम लागत वाले आवास उपलब्ध कराए जाने चाहिए और ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिससे सभी आय वर्ग के लोग मुंबई जैसे चुनौतीपूर्ण शहरी परिवेश में सुविधाजनक सामुदायिक स्थान बनाकर आरामदायक जीवन जी सकें।

रियल एस्टेट क्षेत्र के 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन वास्तव में यह 15 प्रतिशत तक ही होगा। डॉ. हीरानंदानी ने दावा किया कि सीमेंट और ईंटों पर वस्तु एवं सेवा कर कम करने से किफायती आवास की लागत और कम हो जाएगी। अगले चार वर्षों में मुंबई महानगर क्षेत्र में 300 किलोमीटर मेट्रो सेवा चालू हो जाएगी। रेल और मेट्रो सेवाओं के साथ-साथ नए हवाई अड्डों और बंदरगाहों के विकास से रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए अवसर और बढ़ेंगे। डॉ. हीरानंदानी ने यह भी कहा कि ऐसे समय में परमिट और अन्य कार्यों में आसानी, विकास शुल्क में कमी और अन्य सुधार आवश्यक हैं।

रियल एस्टेट क्षेत्र तेज़ी से संगठित हो रहा है और यह एकमात्र 'आत्मनिर्भर' उद्योग है। नारेडको महाराष्ट्र के अध्यक्ष प्रशांत शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि रियल एस्टेट क्षेत्र 'रीइमेजिनिंग महाराष्ट्रः ग्लोबल अलायंसेस टू लोकल इम्पैक्ट' थीम के अनुरूप राज्य को एक विकसित राज्य में बदल देगा, वहीं नारेडको इंडिया के उपाध्यक्ष राजन बंदेलकर ने अपील की कि रियल एस्टेट क्षेत्र को किफायती आवास क्षेत्र को और मज़बूत करने के लिए और प्रयास करने चाहिए।

डीपी में हुए भ्रष्टाचार की हो उच्चस्तरीय जांच

मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस को भाजपा विधायक महेश चौगुले का पत्र

भिवंडी. भाजपा विधायक महेश प्रभाकर चौगुले ने भिवंडी शहर विकास प्रारूप में हुईं अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच हाईकोर्ट सेवानिवृत न्यायाधीश से कराए जाने की मांग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित शासन के शीर्ष अधिकारियों से लिखितपत्र देकर की है.उन्होंने दोषी अधिकारियों पर आपराधिक मामला दाखिल कर जांच पूर्ण होने तक विकास प्रारूप को स्थगित किए जाने की मांग की है.

गौरतलब हो कि,मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दिए लिखितपत्र में भाजपा विधायक महेश चौगुले ने बताया है कि,भिवंडी विकास प्रारूप घोषित हुआ है.नगर विकास विकास विभाग द्वारा घोषित भिवंडी शहर विकास प्रारूप में शहर विकास मुद्दों की पूर्णतया अनदेखी करते हुए आर्थिक लाभ लेकर वर्षों से शहर विकास हेतु जरूरी आरक्षित भूखंडों को पैसा लेकर बिल्डरों के हित में आरक्षण से मुक्त कर भारी भ्रष्टाचार किया गया है.विधायक चौगुले का कहना है कि,भिवंडी शहर की आबादी करीब 25 लाख को पार कर चुकी है.भिवंडी शहर की तेजी से बढ़ती आबादी के मद्देनजर मनपा प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने सूझबूझ से शहर विकास एवं जनहित की खातिर वर्षों पूर्व आवश्यक कई भूखंडों को आरक्षण में समाहित किया कर रखा था. 20 वर्षों पूर्व घोषित विकास प्रारूप में सड़क,गार्डन, मल निह सारण प्रकल्प, स्कूल,कॉलेज,ट्रक टर्मिनल, वाटर टैंक,वाटर पंपिंग स्टेशन,कब्रिस्तान सहित जनहित से जुड़ी जरूरी उपयोग की खातिर भूखंड आरक्षित किए गए थे.विधायक चौगुले का आरोप है कि,पूर्व प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य ने डीपी कमेटी और मनपा अधिकारियों की मिलीभगत से जनहित विकास से जुड़े करीब दर्जन भर से अधिक भूखंड आरक्षण को जरूरी नहीं करार देते हुए आरक्षण से हटाकर बिल्डरों को सौंप दिया है.

शहर विकास पर लगा ग्रहण

शहर विकास से जुड़े भूखंडों से आरक्षण हटाए जाने से आगामी समय में शहर विकास कार्यों के लिए जमीन नहीं बची है .आगामी 20 वर्षों के शहर विकास प्रारूप को तमाशा बनाते हुए लाखों भिवंडीकरों की विकास सुविधा के साथ धोखा किया गया है . पूर्व प्रशासक,आयुक्त वैद्य द्वारा भिवंडी शहर के दीर्घकालिक विकास को अवरुद्ध कर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया गया है .भाजपा विधायक महेश चौगुले ने मुख्यमंत्री फडणवीस, अपर मुख्य सचिव नगर विकास, प्रधान सचिव, जिलाधिकारी, संचालक नगर रचना सहित आयुक्त, प्रशासक को लिखितपत्र देकर भिवंडी शहर विकास प्रारूप में हुई फेरफार एवं भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग रिटायर हाईकोर्ट न्यायाधीश से कराए जाने सहित भ्रष्टाचार में लिप्त पूर्व प्रशासक अजय वैद्य सहित संलिप्त मनपा अधिकारी, डीपी कमेटी सदस्यों पर आपराधिक मामला दर्ज कराए जाने पर जोर दिया है . उन्होंने घोषित विकास प्रारूप की उच्चस्तरीय जांच रिपोर्ट आने तक विकास प्रारूप को जनहित में तत्काल प्रभाव से स्थगित किए जाने की मांग की है .

चिकन मांगने पर 7 साल के बेटे की हत्या

मां ने बेलन से सीने-सिर पर हमला किया, बेटी को भी पीटा

पालघर. पालघर जिले के काशीपाड़ा में एक महिला ने चिकन मांगने पर अपने 7 साल के बेटे की बेलन से पीट-पीटकर हत्या कर दी। महिला ने बच्चे के सिर, सीने, पीठ और चेहरे पर कई हमले किए। महिला ने अपनी 10 साल की बेटी को भी पीटा।

इससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए। बच्चों की गंभीर हालत के बावजूद, महिला उन्हें अस्पताल नहीं ले गई। बेटे ने घर पर ही दम तोड़ दिया। चीखें सुनकर पड़ोसी एक पड़ोसी घर आया और देखा कि बेटा जमीन पर चादर से ढका हुआ पड़ा था।

पूछताछ करने पर, मां ने दावा किया कि उसके बेटे की मौत पीलिया से हुई है। पड़ोसी को शक हुआ, उसने चादर उठाई तो उसकी छाती, पीठ और चेहरे पर कई चोटों के निशान देखे। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी।

महिला पति से अलग होकर बच्चों और बहनों से साथ रहती थी

इसके बाद स्थानीय पुलिस, क्राइम ब्रांच और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। मारपीट में इस्तेमाल बेलन भी जब्त कर लिया। महिला की पहचान 40 साल की पल्लवी घुमड़े के रूप में हुई।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि महिला अपने पति से अलग रह रही थी। वह अपने दो बच्चों और दो बहनों के साथ काशीपाड़ा इलाके में एक फ्लैट में रहती थीं। वह पुलिस के सामने भी दावा करती रही कि उसके बेटे की मौत बीमारी से हुई है।

घायल बच्ची ने बताया- भाई ने मां से चिकन बनाने के लिए कहा था

हालांकि, उसकी 10 साल की घायल बेटी ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसके भाई ने मां से चिकन बनाने के लिए कहा था।

इससे गुस्साई मां ने उसे पीट-पीटकर मार डाला। फिर उस पर भी बेलन से हमला किया। घायल बच्ची को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बाद में, उसे सुरक्षा और देखभाल के लिए एक आश्रम में भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) (हत्या) और अन्य प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बच्चे की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा।

सड़कों पर 27334 गड्ढे

■ मनपा ने हाई कोर्ट में दी जानकारी

मुंबई. मुंबईकरों की यात्रा सुगम बनाने के लिए मुंबई की सभी सड़कें कंक्रीट की बनाई जाएंगी। इस तरह का झुनझुना मुंबईकरों को देने वाली महायुति सरकार की हवा निकल गई है। इस साल की बारिश में 27 हजार 33 4 गड्ढे सड़कों पर हो गए हैं। मुंबई की सड़कें गड्ढों से भर गई हैं। इन गड्ढों से गुजरते हुए मुंबईकरों की कमर टूट रही है। यह जानकारी खुद मनपा ने हाई कोर्ट में दी है। बता दें कि शहर में गड्ढों की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान याचिका दायर की थी।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की पीठ के समक्ष इस याचिका पर सुनवाई हुई। उस समय वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल साखरे ने मनपा की ओर से जानकारी देते हुए पीठ को बताया कि मुंबई में लगभग 2050 किलोमीटर लंबी सड़कें हैं और इन सड़कों का चरणबद्ध तरीके से कंक्रीटीकरण किया जा रहा है।

एक हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों का कंक्रीटीकरण का काम पूरा हो चुका है और बाकी सड़कों का कंक्रीटीकरण का काम चल रहा है। यह काम मई 2027 तक पूरा हो जाएगा। इसके अलावा कई सड़कें एमएमआरडीए, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट और अन्य प्राधिकरणों के नियंत्रण में हैं और उनका रखरखाव संबंधित प्राधिकरणों द्वारा किया जाता है।

प्राचार्या डॉ. खोंडेकर राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित

भिवंडी. कोकण मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित मोमिन गर्ल्स हाई स्कूल की प्रिंसिपल डॉ खालेदा अब्दुस सलाम खोंडेकर को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए टाटा थियेटर (नेशनल सेंटर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स) नरीमन प्वाइंट, मुंबई में आयोजित भव्य समारोह में महाराष्ट्र उप-मुख्यमंत्री अजीत दादा पवार के करकमलों से क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. उक्त अवसर पर केएमई सोसायटी के पूर्व चेयरमैन शफी मुकरी उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि, केएमईएस सोसाइटी द्वारा संचालित मोमिन गर्ल्स हाईस्कूल की प्रिंसिपल डॉ खालेदा अब्दुस सलाम खोंडेकर को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए टाटा थियेटर (नेशनल सेंटर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स) नरीमन प्वाइंट,मुंबई में आयोजित भव्य समारोह में महाराष्ट्र उप-मुख्यमंत्री अजीत दादा पवार के करकमलों से क्रान्तिज्योति सावित्रीबाई फुले राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया.शिक्षा जगत से जुड़े प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि, डा.खालेदा खोंडेकर की दूरदृष्टि,सशक्त नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता ने उन्हें शिक्षा क्षेत्र की अग्रणी शख़्सियतों में स्थापित किया है.उन्होंने सदैव नए-नए शैक्षिक प्रयोगों और नवाचारों को अपनाया है.

वह अभिनव शैक्षणिक तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टूल्स के प्रयोग में आगे रहती हैं और अपने शिक्षकों को भी इस दिशा में मार्गदर्शन देती हैं.शिक्षा क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पहले भी कई पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है.पुरस्कार मिलने पर संस्था पदाधिकारियों सहित शहर के तमाम प्रबुद्ध हस्तियों ने खुशी प्रकट करते हुए प्राचार्य डा.खांडेकर को बधाई दी है.

लाइफगार्ड की संख्या 93 से बढ़ाकर 137 करने का निर्णय

मुंबई. बीएमसी ने मुंबई फायर ब्रिगेड के तहत लाइफगार्ड सेवाओं के संचालन, रखरखाव और संचालन के लिए तीन साल की अवधि के लिए एक निजी एजेंसी की नियुक्ति हेतु एक निविदा जारी की है। शहर के समुद्र तटों पर लगातार बढ़ती पर्यटकों की संख्या और पर्यटकों की सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता को देखते हुए, बीएमसी ने लाइफगार्ड की संख्या 93 से बढ़ाकर 137 करने का भी निर्णय लिया है। अधिक कवरेज के लिए उच्च जोखिम वाले समुद्र तटों की पहचान तीन तरफ से अरब सागर से घिरे मुंबई की तटरेखा 149 किलोमीटर लंबी है।

SST महाविद्यालय के NSS युनिट द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सत्र

उल्हासनगर. एसएसटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, उल्हासनगर–4 के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

इस सत्र में छात्रों को CPR, फायर फाइटिंग, फर्स्ट एड आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्राकृतिक आपदा, आग, बाढ़, भूकंप तथा दुर्घटना के समय तुरंत सहायता कैसे प्रदान करें और बचाव कार्य कैसे करें, इस पर विस्तृत मार्गदर्शन किया गया। श्री गणेश सखाराम सुले, संस्थापक सिल्वर सेफ्टी सर्विस, ने विशेषज्ञ प्रशिक्षक के रूप में प्राथमिक उपचार, आपातकालीन उपकरणों के उपयोग और सुरक्षा उपायों का प्रदर्शन कर छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और उप-प्राचार्य व ठाणे जिला समन्वयक प्रो. जीवन विचारे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आपदा प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। इस पहल से छात्रों में सजगता और आपातकालीन परिस्थितियों का सामना करने का आत्मविश्वास बढ़ा।

इस कार्यशाला को सफल बनाने में प्रो. देविदास जळकोटे, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. नम्रता सिंह, प्रो. मयूर माथुर, प्रो. सुरभी मिश्रा और एनएसएस स्वयंसेवकों का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

सोनू निगम को मिला 2024 का लता मंगेशकर सम्मान

■ सिंगर बोले- 30 साल पहले भी कार्यक्रम में आया था

साल 2024 का लता मंगेशकर सम्मान प्लेबैक सिंगर सोनू निगम को दिया गया। इंदौर में रविवार को आयोजित लता मंगेशकर अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सिंगर सोनू निगम करीब एक घंटे तक कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान सोनू निगम ने लोगों की फरमाइश पर कई गाने गाए।

सोनू निगम ने कहा- आज से 30 साल पहले मैं इंदौर में इसी कार्यक्रम में शामिल हुआ था। तब यह सम्मान प्रसिद्ध गायक तलत महमूद को दिया गया था। आज 30 साल बाद मुझे यह सम्मान प्राप्त हो रहा है। यह मेरे लिए गर्व की बात है। सोनू निगम ने स्वर्गीय लता मंगेशकर को याद करते हुए कहा- वह मेरे लिए मां के समान थीं। आज भी मुझे ऐसा महसूस होता है कि उनका आशीर्वाद मुझ पर बना हुआ है।

सीएम बोले- सभी सोनू निगम की आवाज के कायल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी समारोह को संबोधित करते हुए सोनू निगम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा- इनकी मखमली आवाज के सभी कायल हैं। इसी बीच, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी पहुंचे और उन्होंने मंच पर सोनू निगम को गले लगा लिया। समारोह के पहले दिन शनिवार शाम लता मंगेशकर सुगम संगीत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई।

ट्रेन से फेंके गए नारियल से पैदल यात्री की गई जान

पालघर. पालघर से एक ऐसा मामला सामने आया है, जो भारत में बढ़ती लापरवाही का सबसे स्पष्ट उदाहरण पेश करता है. पालघर जिले में भयंदर क्रीक पुल पर एक लोकल ट्रेन से लापरवाही से फेंके गए नारियल की चपेट में आने से 31 वर्षीय पैदल यात्री संजय दत्ताराम भोयर की मौत हो गई. घटना 28 सितंबर की सुबह हुई, जब भोयर काम पर जाने के लिए रेलवे पुल पार कर रहे थे. यह घटना इसलिए और गंभीर है क्योंकि यह सीधे मानवीय सुरक्षा की अनदेखी को उजागर करती है और स्थानीय प्रशासन तथा नागरिकों के लिए चेतावनी है.

कैसे हुआ हादसा?

अधिकारियों के अनुसार, नारियल निर्माल्य था जिसे जल में विसर्जित करने के लिए ट्रेन से फेंका गया था. उस समय खराब मौसम और तूफानी परिस्थितियों के कारण नौका सेवा बंद थी, इसलिए भोयर पंजू द्वीप से नायगांव पहुंचने के लिए रेलवे पुल का वैकल्पिक मार्ग इस्तेमाल कर रहे थे. ट्रेन से फेंका गया नारियल सीधे भोयर के कान और आंख के बीच लगा.

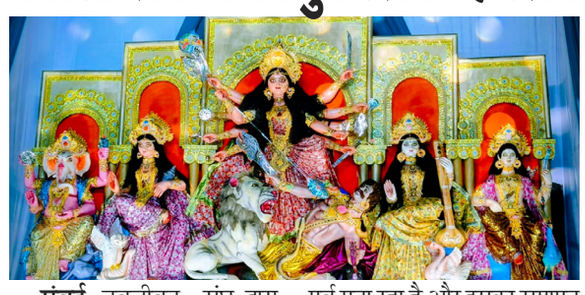

इलाज और मौत की जानकारी भोयर को तुरंत वसई के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उनकी स्थिति बिगड़ गई. इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मुंबई के जे.जे. अस्पताल भेजा गया. अधिकारियों ने पुष्टि की कि इलाज के दौरान भोयर की मौत हो गई.

नागरिक सुरक्षा और भविष्य की चेतावनी

घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि सार्वजनिक स्थानों और रेलवे ट्रैकों पर लापरवाही कब तक जारी रहेगी. विशेषज्ञों और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता, कानूनी सख्ती और सार्वजनिक जिम्मेदारी जरूरी है. सबसे पहले तो सामान फेंकने वाले लोगों को अपनी आदत सुधारने की जरूरत है, साथ ही नागरिकों को भी विशेष सतर्कता बरतनी होगी और रेलवे पुल या अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माल्य फेंकने जैसी गतिविधियों से बचना होगा. ताकि भविष्य में ऐसी अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके.

बंगाली समाज का दुर्गोत्सव महोत्सव

मुंबई. नवजीवन संघ द्वारा मुलुंड के पंडित मदनमोहन मालवीय रोड स्थित नालंदा मनोरंजन ग्राउंड में दुर्गोत्सव महोत्सव की शुरुआत हो गई है और पंडाल में मां दुर्गे के साथ मां लक्ष्मी , सरस्वती,भगवान गणेश और कार्तिकेय की मनमोहक मूर्ति स्थापित की गई है।

नव जीवन संघ के अध्यक्ष पिनाकी सारंगी ने कहा कि बंगाली समाज पूरी तैयारी से दुर्गोत्सव का पर्व मना रहा है और इसका समापन दो अक्टूबर को होगा। यह पर्व पिछले 14 वर्षों से मनाया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान पांच दिन विराजमान रहने के बाद पूरे विधि-विधान के साथ मां दुर्गा विदा होंगी। यहां बंगाल की तरह ही धार्मिक कार्यक्रम शुरू हैं। इस दौरान अनेक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं। यहां हर दिन दो हजार से अधिक भक्त प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099